

tions of Pāṇini read: रु. 19.) ब्राह्मण A. 20.) तत्स्वस्थान° A. तत्स्थान° MM. 21.) °रणं मयि ते कामधरणमभूदिति मयि ते पशवो the Brāhm. 22.) संपत्त्यर्थः A. 23.) against the Pada and the accent. आ belongs to अप्सु see Adhyāya VII. not. 22. 23. 24.) आपश्च A. MM. 25.) °सीत्येवं MM. 26.) here seems to be a lacuna in the mss., as the explanation of त्रिधा रोचने दिवः is wanting. 27.) दुष्टशिष्टा M. दुष्टशीक्षा MM. 28.) °णादेव यजनान्नि° A. M. MM. 29.) स्यतिद्वयस्यष्टो MM. 30.) सूत्र्या A. B. सुत्र्या C. K. J. Mahīdhara's text (E. I. H. 2479.) and the Brāhmaṇa. 31.) युङ्क्ते is wanting in MM. 32.) पविर्धा° MM. Read with A. पवी धारा°. 33.) ओषधियुक्ताः A. 34.) जगज्जननम् MM. 35.) नद्विवृतिवृत्थीत्या° MM. see Adhyāya VI. not. 13. The editions of Pāṇini read वृषि instead of वृधि nor do they enumerate रुध् amongst the verbs comprehended in the rule. 36.) I have not yet met with this rule. 37.) Yāska reads अथाप्यस्यां ताद्वितेन कृ°. 38.) sic! सनोतिः coni. 39.) आमयति MM. 40.) see Adhyāya VIII. not. 20. 41.) °स्तवोदितः MM. 42.) On account of the accent उप is here preposition, not adverb. 43.) वृत्ताशस्या° B. and Mahīdhara's text (E. I. H. 2479). 44.) °गदु° M. °ददु° MM. 45.) प्रतिदिशं is wanting in A. MM. it is taken from the mss. of Kātyāy. 46.) The Nighaṇṭu reads आनद्. 47.) लोकेष्टको° MM. 48.) आशीर्देवी MM. 49.) °पङ्क्तिः M. MM. °पङ्क्ती A. 50.) यज्ञापर्याप्तमन्नं A. यज्ञभर्याप्त° MM. 51.) धनं A. 52.) The Pada reads मानुषा. 53.) मनुष्यज्ञानियु° A. 54.) °षाट् A. 55.) The editions of Pāṇini read इनिठ°. °दी ग्रहा° - °शयेन म° is wanting in MM. 56.) तिष्ठति A. 57.) °दिसिकतान्तो M. MM. 58.) M. and MM add इति वेददीपे रुक्ममोचनादिसिकताभिमन्त्रणान्तोऽध्यायः ॥. —

Read: pag. 352, 1 प्रयाणमु°. 359, 12 [पा° ट. ३. ३ (9.)]. 364, 19 अग्ने. —

*Adhyāya XIII.* kaṇḍik. १-५३ are explained in the Ṣaṭap. Brāhm. ७, ३, १, १-५, २, ६१. and kaṇḍik. ५३-५८ in the same ट, १, १, ३-२, १. - kaṇḍik. १-५८ are quoted by Kātyāy. १७, ३, २७-६, १. —